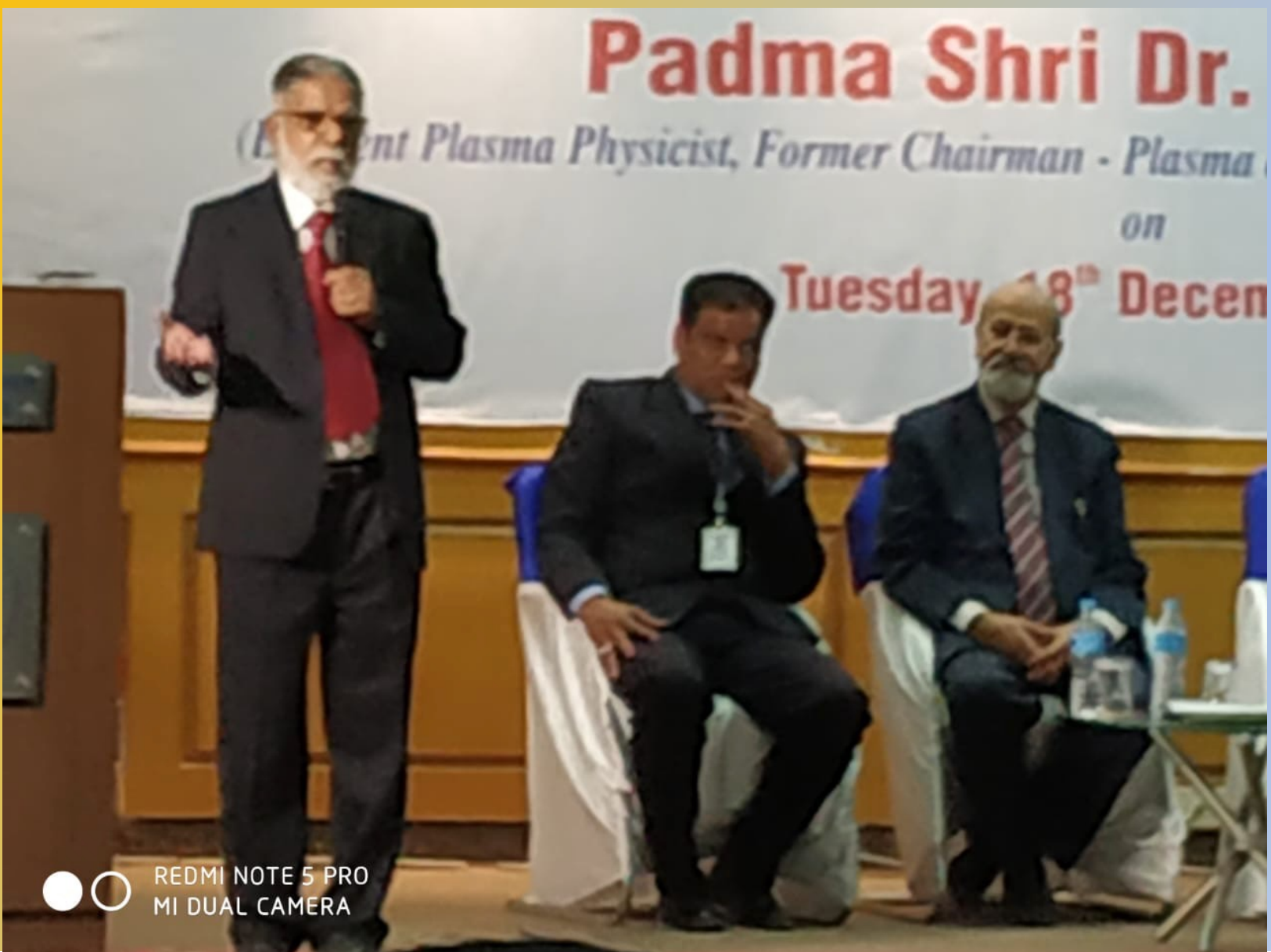


Vaishnav Vidyapeeth Vishwavidyalaya, Indore November 2018



REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA





वैष्णव विद्यापीठ में प्लाज्मा फिजिक्स साइंटिस्ट पद्मश्री पीआई जॉन का लेक्चर

प्लाज्मा फिजिक्स से ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार कार्बन डाय ऑक्साइड को बना सकते हैं कार्बन फ्री

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर • श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम विक्रम साराभाई मेमोरियल सेंटेनरी अरिशन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थे प्लाज्मा भौतिक विज्ञानी पद्मश्री पीआई जॉन। उनके लेक्चर का विषय था परवैश्विक प्लाज्मा प्रोसेस फॉर कार्बन फ्री एनर्जी।

पीआई जॉन ने प्लाज्मा भौतिकी में हो रहे नए रिसर्च के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में और खासतौर से अमेरिका में इस पर बहुत रिसर्च हो रहा है। प्लाज्मा फिजिक्स की कुछ ऐसी प्रोसेस हैं



जिनके प्रयोग से कार्बन डाय ऑक्साइड को कार्बन फ्री बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोयला, अइल या फॉसिल फ्यूल यानी लकड़ी आदि जब भी जलाए जाते हैं तो उससे कार्बन डाय ऑक्साइड यानी



सीओ₂ निकलती है। यह गैस ग्लोबल वॉर्मिंग के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। अब प्लाज्मा भौतिक विज्ञानी सीओ₂ को ही डीकार्बनाइज्ड करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर यह प्रयोग सफल

रहते हैं तो ग्लोबल वॉर्मिंग को काबू किया जा सकेगा उन्होंने कहा कि कोई भी विज्ञान तभी सार्थक होता है जब वह जनउपयोगी हो। कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए वैष्णव विद्यापीठ के कुलपति डॉ.

उपेंद्र धर ने विक्रम साराभाई की उपलब्धियों और योगदानों के बारे में बतते हुए कहा कि उन्होंने ही आईआईएम अहमदाबाद, एटीआईआरए, सीईपीटी इत्यादि जैसे उल्लेखनीय संस्थानों की स्थापना की। साराभाई ने ही बुम्बा, रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन भी स्थापित किया साथ ही दूरस्थ गांवों में शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा अभियानों में भी भाग लिया। एसवीवीवी के चांसलर पुरुशोत्तम दास पसारी ने विज्ञान के वास्तविक अर्थ और महत्व के बारे में बात की। कार्यक्रम में संयोजक डॉ. उल्लम शर्मा और वैष्णव ट्रस्ट के सचिव कमलनाथ भुराडिया भी मौजूद थे।

पत्रिका Wed, 19 December 2018

Importance Of Plasma Physics Underscored At Vaishnav Vidyapeeth Oration Programme

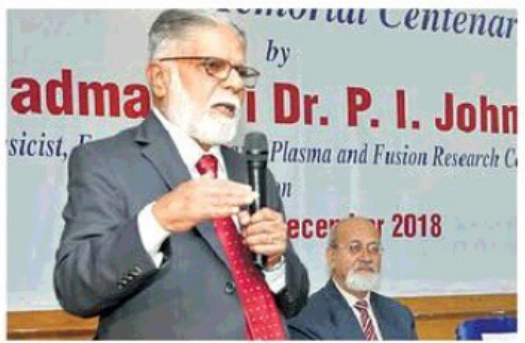
Shri Vaishnav Vidyapeeth Vishwavidyalaya organised 1st Vikram Sarabhai Memorial Centenary Oration programme on Tuesday. The programme was based on topic: The Pervasive Plasma: Plasma Processes For Carbon-Free Energy. Plasma physicist and Board of Research in Nuclear Sciences former chairman Padma Shri Dr P I John was chief guest. John talked about the issue of dependence on fossil fuels and its consequences. He also discussed global warming and explained what plasma physics can do to stop it. Chancellor Purushottam Das Pasari, vice-chancellor Dr Upinder Dhar, Vaishnav Vidyapeeth Trust secretary Kamalnarayan Bhuradiya and head of physics department Dr Uttam Sharma were also present.



पेट्रोल-कोयला 53 साल और चल जाएगा, लेकिन इनका दोहन इसी गति से किया तो धरती जीने लायक नहीं रहेगी

प्लाज्मा फिजिस्ट डॉ. पी आई जॉन ने बताया ग्लोबल वॉर्मिंग का धरती पर आने वाले कुछ सालों में क्या असर होगा

‘फॉसिल फ्यूल्स रीन्यू नहीं हो सकते। ये हजारों लाखों सालों में बने हैं और खत्म हो रहे हैं। इनमें से कोयला 110 साल, गैस 55 साल और अइल 53 साल तक और मिल जाएगा, लेकिन यदि इसी गति से हमने इनका इस्तेमाल किया तो धरती की सतह का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि यह जीने लायक नहीं बचेगी। ग्लेशियर्स पिघल रहे हैं। ओजोन लेयर कमजोर हो रही है। और ऐसा नहीं है कि विकल्प मौजूद नहीं है जिससे कार्बन एमिशन कम हो, लेकिन चूंक तेल कोयला गैस आमतानी से उपलब्ध हैं और इनकी ट्रांसपोर्टेबिलिटी ज्यादा है इसलिए जो एलजी सोलरसे जिनसे कार्बन कम मात्रा में निकलेगा। वो प्रचलन में नहीं हैं। एक और समस्या है। गाड़ियों से लेकर हर



वो डिवाइस जिसमें ईंधन इस्तेमाल होता है वो नॉन रीन्यूएबल सोलरसे के मुताबिक ही डिजाइन किए जा रहे हैं। प्लाज्मा टेक्नोलॉजी को पाम उपाय है जिससे कार्बन डाय ऑक्साइड के कार्बन को निकालकर फ्यूल में कन्वर्ट किया जा सकता है। प्लाज्मा फिजिस्ट पद्मश्री पी आई जॉन वैष्णव विश्वविद्यालय में वक्तव्य दे रहे थे। उन्होंने बताया कि

प्लाज्मा फिजिक्स ग्लोबल वॉर्मिंग कम कर सकता है। कहा - प्लाज्मा यानी मैटर की फोर्थ स्टेट। सॉलिड लिक्विड और गैस के बाद गैस को और गर्म किया जाए तो प्लाज्मा मिलेगा। प्लाज्मा में लो एनर्जी इलेक्ट्रॉन्स होते हैं। इसके जरिए कार्बन डाय ऑक्साइड को वाइब्रेट करेंगे तो कार्बन डाय ऑक्साइड का कार्बन निकल जाएगा।

5 डिग्री बढ़ जाएगा धरती का तापमान

डॉ जॉन ने कहा - 1995 की शुरुआत में स्वीडिश फिजिस्ट अरेवियस ने ये बात कैल्कुलेट की थी कार्बन सोलर एनर्जी को ट्रेप कर एटमॉस्फियर का तापमान बढ़ाता है। 1990 में जब इंस्टिट्यूटल रिवॉल्यूशन हुआ था, बड़ी तादाद में कोयला जलता था मशीनों में पावर जनरेशन के लिए। तब से टेम्परेचर राइज हो रहा है। तब से अब तक में 24 फीसदी की बढ़त हो चुकी है कार्बन एमिशन में। पेरिस कन्वेंशन में देशों ने कहा हम कार्बन डाय ऑक्साइड एमिशन कम करेंगे। अगर ऐसा नहीं हुआ तो इस सदी के अंत तक ग्लोबल टेम्परेचर 5 डिग्री बढ़ जाएगा।



श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इन्दौर

8 Date 18.12 2018, Time 11.00 AM 8



Request your presence on the occasion of
1st Vikram Sarbhai Memorial Centenary Oration

by

Padma Shri Dr. P.I. John

Eminent Plasma Physicist,
Former Chairman-Plasma and Fusion
Research Committee of BRNS

**Topic: The Pervasive Plasma: Plasma Processes
for Carbon free Energy**